Wisdom Vortex:
International Journal of Social Science and Humanities

Open-access, Peer Reviewed, Refereed, Quarterly Journal, Multiple Language (English & Hindi)

e-ISSN: 3107-3808
p-ISSN: Applied for

Wisdom Vortex: International Journal of Social Science and Humanities, Volume: 02, Issue: 03, Oct-Dec 2026

How to cite this paper:
Kumar, A. & Tripathi, V. N. (2026). Madhya Ewam Madhyamik Vidyalaya Star par Karyarat Shikshakon ka Rashtriya Pathyakram Rooprekha, 2022 Foundation Stage ke Kriyanwayan ke Prati Manovriti ka Ek Adhyayan. *Wisdom Vortex: International Journal of Social Science and Humanities, 2*(3), 10-24.
https://doi.org/10.64429/wvijsh.02.03.050

Received: 15 Sep. 2026
Accepted: 02 Oct. 2026
Published: 10 Oct. 2026

Copyright © 2026 by author(s) and Wisdom Vortex: International Journal of Social Science and Humanities.
This work is licensed under the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY- 4.0).
https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय स्तर पर कार्यरत शिक्षकों का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का एक अध्ययन

अंकित कुमार[1]
डॉ० विवेक नाथ त्रिपाठी[2]

सारांश

इस शोध अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय स्तर पर कार्यरत शिक्षकों का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के विभिन्न पक्षों के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन करना था। इसके लिए रेन्सिस लिकर्ट मापनी के आधार पर एक पांच बिन्दु मापनी का निर्माण किया गया। इस मापनी में कुल एकांशों की संख्या 24 है। इस मापनी की चार आयाम क्रमशः शैक्षणिक अभ्यास, समावेशन और पहुँच, पर्यावरण और व्यावसायिक शिक्षा एवं विद्यालय संस्कृति और मूल्य है। जिसमें धनात्मक एकांशों की संख्या 12 एवं ऋणात्मक एकांशों की संख्या 12 है। इस मापनी का न्यूनतम प्राप्तांक 24 एवं उच्चतम प्राप्तांक 120 है। इस शोध अध्ययन की प्रतिदर्श संख्या, जिसमें मध्य विद्यालय के पुरुष शिक्षकों की संख्या 32 और महिला शिक्षकों की संख्या 32 थी और माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों की संख्या 32 और महिला शिक्षकों की संख्या 32 थी। जिनका चयन सामान्य यादृच्छिक प्रतिदर्श चयन तकनीक से किया गया था। उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्राप्त प्रदत्तों का प्रसामान्य वितरण परीक्षण, माध्य, मानक विचलन, प्रतिशत विश्लेषण एवं प्राचलिक सांख्यिकी के उपयुक्त सांख्यिकी, टी-परीक्षण का प्रयोग किया गया था। शोध अध्ययन में मध्य विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों, माध्यमिक विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों, मध्य और माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों एवं मध्य और माध्यमिक विद्यालय के महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया क्योंकि शिक्षक पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज को लेकर चिंतित है और पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के चयनित पक्षों के प्रति शिक्षकों की मनोवृति सकारात्मक है।

विशिष्ट शब्द: *मनोवृति, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, भावात्मक विकास, बहुभाषी दृष्टिकोण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति*

[1] पीएच.डी. शोधकर्ता, शिक्षाशास्त्र विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), लखनऊ, उत्तर प्रदेश,
[2] सह आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), लखनऊ, उत्तर प्रदेश

इक्कीसवीं सदी को ज्ञान समाज के निर्माण के युग के रूप में देखा जा रहा है। इसी क्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का निर्माण किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का प्राथमिक लक्ष्य एक ऐसे ज्ञानवान समाज का निर्माण करना है जो भारत की पारंपरिक ज्ञान परंपराओं का लाभ उठाते हुए वैश्विक चिंताओं से अवगत हो। यह पहली पूर्ण पाठ्यक्रम रूपरेखा है जिसका उद्देश्य बुनियादी स्तर पर समावेशी, रचनात्मक और समान समाज की स्थापना के उद्देश्य को वास्तविक बनाना है। इसके निर्माण में विभिन्न क्षेत्रों के शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के महानुभावों की सराहनीय भूमिका रही है (मैमीडाला, 2022)। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज (एनसीएफएफएस) के परिचय में कहा गया है कि इसके क्रियान्वयन के लिए जमीनी स्तर की सोच के आधार पर समायोजन की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज में दस अध्याय हैं। पहला अध्याय परिचयात्मक है, दूसरा पाठ्यक्रम के उद्देश्य हैं, तीसरा भाषा शिक्षा और साक्षरता के लिए दृष्टिकोण है, चौथा शिक्षणशास्त्र है, पाँचवाँ शिक्षकों के लिए विषय वस्तु का चयन, संगठन और संदर्भ करण है, छठा सीखना और मूल्यांकन है, सातवाँ समय नियोजन है, आठवाँ अतिरिक्त महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, और नवाँ तैयारी है और दसवां पर्यावरण प्रणाली है। एनसीएफएफएस, 2022; अध्याय 1, पृष्ठ 15, प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा पर चर्चा करता है, जो उनके पूर्ण और व्यापक विकास के लिए रूपरेखा बनाने में बच्चे के जीवन के पहले आठ वर्षों के महत्व पर जोर देता है। एक व्यक्ति के मस्तिष्क का 85% से अधिक भाग छह वर्ष की आयु तक विकसित हो जाता है, यह एक व्यापक रूप से स्वीकृत तथ्य है। पाठ्यक्रम सीखने के लिए मौलिक आधार के रूप में उत्तेजना पर जोर देता है। पाठ्यक्रम यह मानता है कि बच्चे आठ वर्ष की आयु से परे सीखने में मौलिक रूप से सक्षम हैं (सीतालक्ष्मी और श्यामला, 2022)।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 मौलिक चरण को 5+3+3+4 के रूप में परिभाषित करती है। इसे ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज (एनसीएफएफएस) में पारिवारिक वातावरण को मान्यता देती है, जिसमें परिवार के सदस्य, समुदाय के सदस्य और अन्य हितधारक शामिल हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि सभी बच्चों को 2025 तक सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाली विकासात्मक शिक्षा मिले। कई लोग इक्कीसवीं सदी को "ज्ञान की सदी" कहते हैं। भारत हमेशा से ज्ञान विरासत में अग्रणी रहा है। ज्ञान लोगों को सशक्त और समृद्ध बनाता है। प्रधानमंत्री जी की एक भारत, श्रेष्ठ भारत इक्कीसवीं सदी में प्रतिभाओं का विकास कर रहा है, हम सभी मानते हैं कि किसी भी नीति का कुशल कार्यान्वयन हितधारकों की जागरूकता, भूमिका, समर्पण और उसके प्रति दृष्टिकोण पर निर्भर करता है (भारद्वाज एट अल., 2024)। किसी भी नीति के प्रभावी कार्यान्वयन में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के प्रति मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की समझ और दृष्टिकोण, उनकी प्रभावशीलता को प्रभावित करेंगे। मध्य और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक इस संदर्भ में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज को कैसे देखते हैं? राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेजों के बारे में उनकी समझ क्या है? यह अध्ययन आज की दुनिया में लागू होता प्रतीत होता है, जो ऊपर उठाई गई चुनौतियों का उत्तर देता हैं; इसलिए, शिक्षक के दृष्टिकोण का आकलन करना महत्वपूर्ण है (राज, 2024)।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा हर देश की शिक्षा प्रणाली के बुनियादी स्तंभों के रूप में काम करती है, जो इसके भाग्य को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत में, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा (NCF) ने लंबे समय से शिक्षा प्रणाली को वर्तमान, समावेशी और अभिनव बनाए रखने के लिए एक रूपरेखा के रूप में काम किया है। स्कूली शिक्षा के आधारभूत स्तर के लिए अपनाया गया, 2022 का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचा शैक्षिक नीति में एक नाटकीय परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है। यह भारत की शिक्षा प्रणाली को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के लक्ष्य के साथ एकीकृत करने का प्रयास करता है, जो व्यापक, लचीले और शिक्षार्थी-केंद्रित तरीकों पर ध्यान केंद्रित करता है। शिक्षकों की भागीदारी, विशेष रूप से मध्य और माध्यमिक विद्यालय स्तर पर, इस परिवर्तन के लिए आवश्यक है क्योंकि वे रूपरेखा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं (सरीन एंड मंडल, 2024)। तीन से आठ वर्ष की आयु के बच्चे, एनसीएफ, 2022 के आधारभूत चरण के लिए लक्षित हैं। यह चरण महत्वपूर्ण है क्योंकि यह खेल-आधारित, पूछताछ-संचालित और अनुभवात्मक सीखने पर जोर देकर, आजीवन सीखने की नींव रखता है (महापात्रा एवं एंडरसन, 2022)।

अध्ययन की तर्कसंगतता, आवश्यकता एवं महत्व

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज भारत की शैक्षिक क्रांति की आधारशिला है, जो 3 से 8 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए खेल-आधारित, पूछताछ-संचालित और अनुभवात्मक शिक्षा पर जोर देती है। यह चरण मौलिक पठन, अंकगणित, सामाजिक-भावनात्मक विकास और बहुभाषी दृष्टिकोण पर जोर देकर आजीवन सीखने की नींव रखता है। मध्य

और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के मनोवृत्ति को समझना राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के लक्ष्यों का समर्थन करने की उनकी इच्छा के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जिससे राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज की सुसंगतता और प्रभावकारिता कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। यह अध्ययन आवश्यक है क्योंकि यह मध्य और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के बारे में मनोवृत्तियों को प्रकट करता है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

बत्रा, पी. (2005) ने "वॉइस एंड एजेंसी ऑफ टीचर्स: मिसिंग लिंक इन नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क 2005" विषय पर अध्ययन किया और पाया की राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2005 विद्यालय पाठ्यक्रम के एक नए दृष्टिकोण को एक समावेशी स्थान के रूप में व्यक्त करती है, जो पारंपरिक पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं के क्षेत्र में विस्तारित होती है और शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक बनाती है।

सद्गोपाल, ए. (2005) ने "ऑन द पेडागोजी ऑफ राइटिंग ए नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क सम रिफ्लेक्शन फ्रॉम एन इनसाइडर" विषय पर अध्ययन किया और पाया की शिक्षा नीति से राजनीतिक प्रकृति की पहचान होती है और इससे व्यवस्थित असंतुलन को संबोधित किया जाता है। असमानता को कम करने और सामाजिक न्याय सिद्धांतों के साथ सुधारों को एकीकृत करने में एक समान विद्यालय प्रणाली पाठ्यक्रम रूपरेखा सार्थक सिद्ध हो सकती है।

गोस्वामी, वाई. (2023) ने "ए स्टडी आन अवेयरनेस ऑफ टीचर स्टूडेंट एजुकेटर इन राजस्थान नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क" विषय पर अध्ययन किया और निष्कर्ष स्वरूप पाया की राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2023 भारत के शैक्षिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो उद्देश्यों, पाठ्यक्रम डोमेन और विकासात्मक चरणों को रेखांकित करता है। शिक्षकों की आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और समझ को बढ़ावा देने और पाठ्यक्रम को लगातार संशोधित और सुधारने की आवश्यकता होती है। राजस्थान के लुधियाना जिले, में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच एनसीएफ के बारे में जागरूकता का आकलन किया और पाया की कई शिक्षक एनसीएफ से अनभिज्ञ थे, जो सेवारत शिक्षकों के लिए अधिक प्रभावी जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता को उजागर करता है।

कुमार, एस. (2023) ने "नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन 2023: इंप्लीकेशन फोर कैरियर गाइडेंस प्रैक्टिस" विषय पर अध्ययन किया और निष्कर्ष में पाया की एनईपी, 2020 भारत के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखाओं को अनिवार्य बनाता है। ये रूपरेखाएँ शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रथाओं को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं। करियर व्यवसायियों को इन परिवर्तनों के साथ अपडेट रहना चाहिए और स्कूलों और शैक्षिक अधिकारियों के साथ मिलकर अपने अभ्यासों को विकसित शैक्षिक परिदृश्य के साथ संरेखित करना चाहिए।

होता, एस. (2023) ने "क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क ऑफ स्कूल एजुकेशन" विषय पर अध्ययन किया और पाया की एनईपी, 2020 के आलोक में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे की आलोचनात्मक समीक्षा से चुनौती और संभावित मुद्दे, दोनों ही उजागर होते हैं। एनसीएफ शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा, कौशल विकास और समग्र शिक्षा पर जोर देता है और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए वांछित परिवर्तनों को ठीक से साकार करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचे में सुधार की आवश्यकता होती है।

शुक्ला, टी., प्राची, मनीषा, एवं नेगी, आर. (2024) ने "नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क 2023: इंटीग्रेशन एंड इंपैक्ट ऑफ फिजिकल एजुकेशन" विषय पर अध्ययन किया और पाया की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2023 भारत की शिक्षा प्रणाली में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो संतुलित और समावेशी शिक्षण अनुभव बनाने के लिए शारीरिक शिक्षा को एकीकृत करता है। हालाँकि, सफल कार्यान्वयन के लिए शिक्षकों, नीति निर्माताओं और समुदाय के निरंतर प्रयासों की आवश्यकता होती है, इसलिए पाठ्यक्रम में शारीरिक शिक्षा की भूमिका को बढ़ाना आवश्यक है।

अनुसंधान रिक्ति

पाठ्यक्रम ढांचे की उपयोगिता पर व्यापक रूप से शोध किए गए है, और अधिकांश मौजूदा शोध प्राथमिक शिक्षकों या प्रारंभिक चरण के पाठ्यक्रम के तत्काल प्रभावों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और मौलिक शिक्षा को संरक्षित और सुदृढ़ करने में मध्य और माध्यमिक शिक्षकों के महत्व को अनदेखा करते हैं। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के शैक्षणिक अभ्यासों को अनुकूलित और कार्यान्वयन करने के प्रति मध्य और माध्यमिक शिक्षकों के मनोवृति के संदर्भ में बहुत कम शोध हुए हैं। अतः इस अध्ययन द्वारा इस शोध रिक्तता को भरने का प्रयास किया जाएगा।

अनुसंधान समस्या कथन

प्रस्तावित अध्ययन की अनुसंधान समस्या को निम्न प्रकार से लिखा जा सकता है- **''मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय स्तर पर कार्यरत शिक्षकों का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का एक अध्ययन।,,**

उद्देश्य

1. विद्यालय शिक्षकों का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति के स्तरों का अध्ययन करना।
2. मध्य विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन करना।
4. मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन करना।
5. मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

- H_{01} मध्य विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर नहीं है।
- H_{02} माध्यमिक विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर नहीं है।
- H_{03} मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर नहीं है।
- H_{04} मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर नहीं है।

तकनीकी पदों की कार्यकारी परिभाषा

1. **मनोवृत्ति** - मनोवृत्ति का अर्थ किसी व्यक्ति, समूह, विचार या अन्य वस्तुओं के प्रति सहमत, तटस्थ या असहमत की प्रवृत्ति हैं। इस अध्ययन में मनोवृत्ति, अंकित कुमार और डॉ० विवेक नाथ त्रिपाठी द्वारा विकसित मापनी (2024) पर मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय स्तर पर कार्यरत शिक्षकों द्वारा प्राप्त अंकों के मान को संदर्भित किया गया है।
2. **राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज** - राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के दृष्टिकोण के आधार पर 3 से 8 वर्ष के उम्र के बच्चों या आंगनबाड़ी से लेकर कक्षा 2 तक के बच्चों के सर्वांगीण विकास की रूपरेखा को संदर्भित करने वाला एक दस्तावेज है।

अनुसंधान सीमांकन

1. यह अध्ययन केवल उत्तर प्रदेश राज्य के लखनऊ जनपद तक सीमित था।
2. शिक्षक के अन्तर्गत केवल पुरुष शिक्षक और महिला शिक्षक तक सीमित था।
3. मध्य विद्यालय के पुरुष शिक्षक और महिला शिक्षक के अन्तर्गत कक्षा 6 से 8 तक सीमित था।
4. माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षक और महिला शिक्षक के अन्तर्गत कक्षा 9 से 12 तक सीमित था।

अनुसंधान विधि

अनुसंधान पद्धति, अनुसंधान प्रश्नों का उत्तर देने या परिकल्पनाओं का परीक्षण करने के लिए मात्रात्मक या गुणात्मक डेटा एकत्र करने, विश्लेषण करने और व्याख्या करने की एक व्यवस्थित और वैज्ञानिक रणनीति है और यह अध्ययन के क्षेत्र को सीमित करके शोधकर्ताओं को अनुसंधान पथ पर बने रहने में मदद करती है (करलिंगर, 1986)।

अनुसंधान अभिकल्प

अनुसंधान अभिकल्प, किसी अनुसंधान विषय का उत्तर देने की रणनीति है। यह डेटा एकत्र करने, मापने और व्याख्या करने का ढांचा है। एक वैज्ञानिक अनुसंधान अभिकल्प सुनियोजित तरीके से अनुसंधान प्रश्नों या परिकल्पनाओं के परीक्षण की व्याख्या करने में सक्षम होता है। प्रस्तावित अध्ययन में सर्वेक्षण अनुसंधान अभिकल्प का प्रयोग किया गया है (क्रेसवेल, 2015)।

जनसंख्या

प्रस्तावित अध्ययन की जनसंख्या**,** उत्तर प्रदेश राज्य के मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकगण थे।

नियोजित जनसंख्या या प्रतिदर्श ढांचा

प्रस्तावित अध्ययन की नियोजित जनसंख्या या प्रतिदर्श ढांचा लखनऊ जनपद के मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकगण थे।

प्रतिदर्श का आकार

प्रस्तावित अध्ययन का प्रतिदर्श आकार 128 था (क्रेजी एवं मॉर्गन, 1970)। जिसमें मध्य विद्यालय के पुरुष शिक्षकों की संख्या 32 और महिला शिक्षकों की संख्या 32 थी और माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों की संख्या 32 और महिला शिक्षकों की संख्या 32 थी।

प्रतिदर्श चयन की तकनीक

प्रस्तावित अध्ययन की प्रतिदर्श चयन की तकनीक, सामान्य यादृच्छिक प्रतिदर्श चयन तकनीक थी।

तालिका 1

प्रतिदर्श वितरण

विद्यालय के प्रकार		**मध्य (कक्षा** 6 **से** 8 **तक)**	**माध्यमिक (कक्षा** 9 **से** 12 **तक)**
शिक्षक का लिंग	**पुरुष**	32	32
	महिला	32	32
		64	64
कुल		128	

चर

प्रस्तावित अध्ययन के लिए सतत चर के रूप में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति एवं वर्गीकृत चर के रूप में विद्यालय के प्रकार और शिक्षक के लिंग का निर्धारण किया गया।

शोध उपकरण

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति मापनी के एकांशों का विवरण

तालिका 2

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति मापनी उपकरण के एकांशों का विवरण एवं प्रतिक्रिया के विकल्प

क्रम संख्या	**एकांश**	**SD**	**D**	**N**	**A**	**SA**
1	शिक्षा में डिजिटल साक्षरता और कम्प्यूटेशनल सोच का एकीकरण हुआ है।	☐	☐	☐	☐	☐
2	पूछताछ संचालित और गतिविधि आधारित सीखने को शामिल किया गया है।	☐	☐	☐	☐	☐
3	कक्षा की चर्चाओं और गतिविधियों से विद्यार्थियों को विमुख करना है। *	☐	☐	☐	☐	☐
4	नवाचार के बिना केवल स्थापित शिक्षण तकनीकों पर निर्भर रहना है। *	☐	☐	☐	☐	☐
5	भाषा विविधता को बढ़ावा देने के लिए बहुभाषी शिक्षा का उपयोग किया गया है।	☐	☐	☐	☐	☐

क्रम संख्या	एकांश	SD	D	N	A	SA
6	प्रौद्योगिकी का कम उपयोग किया जाता हैं। *	☐	☐	☐	☐	☐
7	समावेशी तरीकों से विकलांग विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाता हैं।	☐	☐	☐	☐	☐
8	शिक्षण में सामाजिक-आर्थिक या भाषाई विविधता की उपेक्षा की गई है। *	☐	☐	☐	☐	☐
9	स्थानीय और स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों के लिए सम्मान दिया गया है।	☐	☐	☐	☐	☐
10	विशेष आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों को पर्याप्त सहायता नहीं मिल रही है।*	☐	☐	☐	☐	☐
11	बच्चों की सांस्कृतिक उत्पत्ति और अनुभवों की अनदेखी की जाती है। *	☐	☐	☐	☐	☐
12	लिंग-समान स्कूल वातावरण को बढ़ावा दिया गया है।	☐	☐	☐	☐	☐
13	पर्यावरणीय स्थिरता विषय अच्छी तरह से एकीकृत है।	☐	☐	☐	☐	☐
14	स्थानीय माँगों के जवाब में व्यावसायिक कौशल का परिचय दिया गया है।	☐	☐	☐	☐	☐
15	श्रम की गरिमा पर सकारात्मक विचार उभर रहे हैं।	☐	☐	☐	☐	☐
16	पाठ्यक्रम में पर्यावरण शिक्षा विषयों का अभाव है। *	☐	☐	☐	☐	☐
17	बागवानी और व्यावहारिक पर्यावरणीय गतिविधि की कमी है। *	☐	☐	☐	☐	☐
18	अंतर-विषयी सहयोग के महत्व की अनदेखी की गई है। *	☐	☐	☐	☐	☐
19	योग, खेल, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।	☐	☐	☐	☐	☐
20	असुरक्षित या गैर-समावेशी स्कूल की स्थापना की गई है। *	☐	☐	☐	☐	☐
21	विद्यार्थियों की सृजनशीलता और नेतृत्व को प्रोत्साहित किया गया है।	☐	☐	☐	☐	☐
22	प्रशिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास के अपर्याप्त अवसर हैं। *	☐	☐	☐	☐	☐
23	विद्यार्थियों को पर्याप्त शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल नहीं मिलती। *	☐	☐	☐	☐	☐
24	विद्यार्थियों की नैतिक और नैतिक सोच क्षमताएँ विकसित हो रही है।	☐	☐	☐	☐	☐

*नोट - * ऋणात्मक एकांश, SD = पूर्णतः असहमत, D = असहमत, N = तटस्थ, A = सहमत, SA = पूर्णतः सहमत*

तालिका 3

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति मापनी उपकरण के आयाम, एंकाश, समय एवं प्राप्तांक का विवरण

एकांशों की कुल संख्या	आयाम	धनात्मक एकांशों की संख्या एवं क्रम	ऋणात्मक एकांशों की संख्या एवं क्रम	न्यूनतम प्राप्तांक	उच्चतम प्राप्तांक	समय
24	1. शैक्षणिक अभ्यास	3 (1,2,5)	3 (3,4,6)	24	120	20 मिनट
	2. समावेशन और पहुँच	3 (7,9,12)	3 (8,10,11)			
	3. पर्यावरण और व्यावसायिक शिक्षा	3 (13,14,15)	3 (16,17,18)			
	4. विद्यालय संस्कृति और मूल्य	3 (19,21,24)	3 (20,22,23)			

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति मापनी - इस मापनी को पीएचडी शोधार्थी, अंकित कुमार, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश एवं सहायक आचार्य, डॉ० विवेक नाथ त्रिपाठी, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के संयुक्त प्रयास द्वारा विकसित किया गया है। यह मापनी रेन्सिस लिकर्ट मापनी के अनुसार पांच बिन्दु मापनी है। इस मापनी में कुल एकांशों की संख्या 24 है। इस मापनी की चार आयाम; शैक्षणिक अभ्यास, समावेशन और पहुँच, पर्यावरण और व्यावसायिक शिक्षा एवं विद्यालय संस्कृति और मूल्य है। जिसमें धनात्मक एकांशों की संख्या 12 एवं ऋणात्मक एकांशों की संख्या 12 है। इस मापनी का न्यूनतम प्राप्तांक 24 एवं उच्चतम प्राप्तांक 120 है। इस मापनी के लिए 20 मिनट का समय निर्धारित किया गया हैं।

तालिका 4

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति मापनी उपकरण की स्कोरिंग

धनात्मक एकांश बिन्दु एवं अंक	ऋणात्मक एकांश बिन्दु एवं अंक
पूर्ण सहमत – 5, सहमत – 4, अनिश्चित – 3	पूर्ण सहमत – 1, सहमत – 2, अनिश्चित – 3
असहमत – 2, पूर्ण असहमत - 1	असहमत – 4, पूर्ण असहमत - 5

तालिका 5

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति मापनी उपकरण की अंक सीमा एवं स्तर

क्रम संख्या	अंक सीमा	स्तर
1	1-24	निम्नतम मनोवृत्ति
2	25-48	निम्न मनोवृत्ति
3	49-72	औसत मनोवृत्ति
4	73-96	उच्च मनोवृत्ति
5	97-120	उच्चतम मनोवृत्ति

तालिका 5 में, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति मापनी के प्राप्तांको को पांच भागों में स्तरीकृत किया गया है।

प्रदत्त संग्रह की प्रक्रिया

अध्ययन से सम्बन्धित मानदंडों को पूरा करने वाले 128 विद्यालय शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं के लिए उत्तर प्रदेश राज्य के लखनऊ जनपद का उपयोग किया गया था। सभी प्रतिदर्शो से ईमानदारी और सच्चाई के साथ मापनी में दिए गए एकांशों के प्रति अपनी मनोवृत्ति देने का अनुरोध किया गया था। उन्हें आश्वस्त कराया गया था कि उनके जवाब गोपनीय रखे जाएंगे। मापनी के द्वारा प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया एकत्र किए गए और रेन्सिस लिकर्ट के अनुसार स्कोर किए गए।

प्रदत्त विश्लेषण की योजना

प्रदत्त विश्लेषण के लिए स्टैटिकल प्रोडक्ट एंड सर्विस सॉल्यूशंस (SPSS, संस्करण 26) का प्रयोग किया गया था। इसके द्वारा निम्नलिखित विषयों की गणना की गई।

1. राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति की औसत एवं प्रतिशत की गणना की गई।
2. प्राप्त प्रदत्तों के मानों का रेखा-चित्रीय प्रतिनिधित्व, प्रसामान्य वक्र परीक्षण एवं स्वतंत्र टी-परीक्षण किया गया।

वर्णनात्मक सांख्यिकी के परिणाम एवं व्याख्या

वर्णनात्मक सांख्यिकी का तात्पर्य किसी प्रतिदर्श समूहों से सम्बन्धित उसके आवृत्ति वितरण, माध्य, माध्यिका, बहुलक एवं मानक विचलन इत्यादि के निष्कर्षों का विश्लेषण, सारांश और प्रस्तुतिकरण है। वर्णनात्मक सांख्यिकी के मुख्यतः तीन प्रकार है: आवृत्ति वितरण, केंद्रीय प्रवृत्ति के मान और परिवर्तनशीलता के मान (कोहेन एट अल., 2018)।

प्रथम उद्देश्य - विद्यालय शिक्षकों का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति के स्तरों का अध्ययन करना।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति के समूहों का प्रतिदर्श संख्या, माध्य एवं मानक विचलन

इस खंड के अन्तर्गत राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति के समूहों का प्रतिदर्श संख्या, माध्य एवं मानक विचलन की गणना की गई है।

तालिका 6

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति के समूहों का प्रतिदर्श संख्या, माध्य एवं मानक विचलन का विवरण

प्रतिदर्श समूह	मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक	मध्य विद्यालय महिला शिक्षक	माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक	माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक	विद्यालय के पुरुष शिक्षक एवं महिला शिक्षक
प्रतिदर्श संख्या	32	32	32	32	128
माध्य	60.69	59.31	64.38	61.91	61.57
मानक विचलन	20.75	19.76	17.38	16.91	18.64

नोट- कुल प्रतिदर्श n = 128

तालिका 6 को देखने से स्पष्ट होता है कि मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक की प्रतिदर्श संख्या 32, माध्य 60.69 और मानक विचलन 20.75 है। मध्य विद्यालय महिला शिक्षक की प्रतिदर्श संख्या 32, माध्य 59.31 और मानक विचलन 19.76 है। माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक की प्रतिदर्श संख्या 32, माध्य 64.38 और मानक विचलन 17.38 है। माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक की प्रतिदर्श संख्या 32, माध्य 61.91 और मानक विचलन 16.91 है। विद्यालय के पुरुष शिक्षक एवं महिला शिक्षक की प्रतिदर्श संख्या 128, माध्य 61.57 और मानक विचलन 18.64 है। जिसमें सबसे अधिक माध्य (64.38) माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक और सबसे कम माध्य (59.31) मध्य विद्यालय महिला शिक्षक का है। सबसे अधिक मानक विचलन (20.75) मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक और सबसे कम मानक विचलन (16.91) माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक का है।

आकृति 1

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का प्रतिदर्श संख्या, माध्य एवं मानक विचलन का विवरण

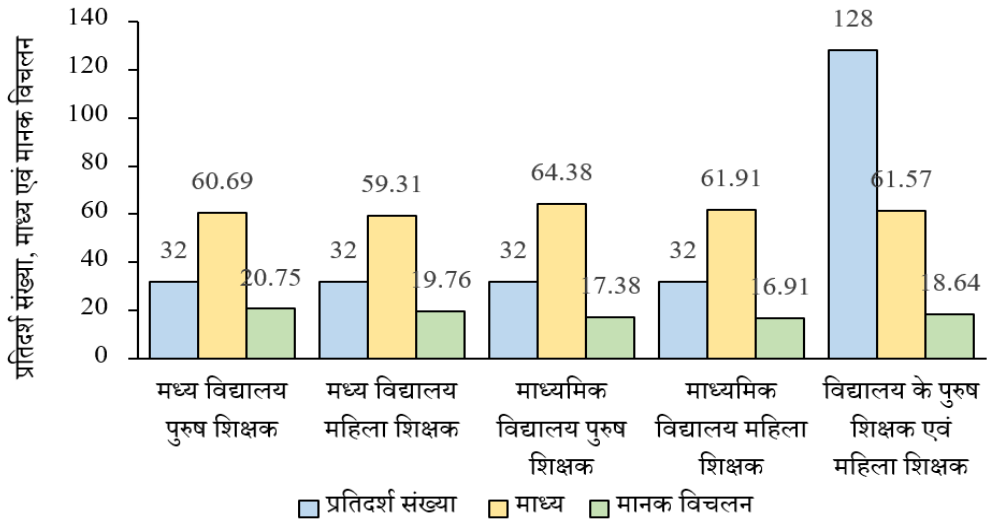

नोट-

आकृति 1 में, मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक की प्रतिदर्श संख्या 32, माध्य 60.69 और मानक विचलन 20.75 है। मध्य विद्यालय महिला शिक्षक की प्रतिदर्श संख्या 32, माध्य 59.31 और मानक विचलन 19.76 है। माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक की प्रतिदर्श संख्या 32, माध्य 64.38 और मानक विचलन 17.38 है। माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक की प्रतिदर्श संख्या 32, माध्य 61.91 और मानक विचलन 16.91 है। विद्यालय के पुरुष शिक्षक एवं महिला शिक्षक की प्रतिदर्श संख्या 128, माध्य 61.57 और मानक विचलन 18.64 है।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति के स्तर, अंक सीमा, मनोवृत्ति के स्तर की संख्या एवं प्रतिशत

इस खंड के अन्तर्गत राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति के स्तर, अंक सीमा, मनोवृत्ति के स्तर की संख्या एवं प्रतिशत की गणना की गई है।

तालिका 7

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति के स्तर, अंक सीमा, मनोवृत्ति के स्तर की संख्या एवं प्रतिशत का विवरण

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति के स्तर	निम्नतम मनोवृत्ति	निम्न मनोवृत्ति	औसत मनोवृत्ति	उच्च मनोवृत्ति	उच्चतम मनोवृत्ति	कुल
अंक सीमा	1-24	25-48	49-72	73-96	97-120	24-120
मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक	00	09	14	08	01	32
मध्य विद्यालय महिला शिक्षक	00	09	16	07	00	32
माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक	00	06	19	06	01	32
माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक	00	07	17	08	00	32
मनोवृत्ति के स्तर की संख्या	00	31	66	29	02	128
प्रतिशत	00	24 %	51 %	23 %	02 %	100 %

नोट- कुल प्रतिदर्श n = 128

तालिका 7 को देखने से स्पष्ट होता है की राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति के स्तर में निम्नतम मनोवृत्ति की अंक सीमा 1 से 24 तक, निम्न मनोवृत्ति की अंक सीमा 25 से 48 तक, औसत मनोवृत्ति की अंक सीमा 49 से 72 तक, उच्च मनोवृत्ति की अंक सीमा 73 से 96 तक और उच्चतम मनोवृत्ति की अंक सीमा 97 से 120 तक है। मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक समूह में निम्नतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य, निम्न मनोवृत्ति की संख्या 9, औसत मनोवृत्ति की संख्या 14, उच्च मनोवृत्ति की संख्या 8 और उच्चतम मनोवृत्ति की संख्या 1 है। मध्य विद्यालय महिला शिक्षक समूह में निम्नतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य, निम्न मनोवृत्ति की संख्या 9, औसत मनोवृत्ति की संख्या 16, उच्च मनोवृत्ति की संख्या 7 और उच्चतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य है। माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक समूह में निम्नतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य, निम्न मनोवृत्ति की संख्या 6, औसत मनोवृत्ति की संख्या 19, उच्च मनोवृत्ति की संख्या 6 और उच्चतम मनोवृत्ति की संख्या 1 है। माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक समूह में निम्नतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य, निम्न मनोवृत्ति की संख्या 7, औसत मनोवृत्ति की संख्या 17, उच्च मनोवृत्ति की संख्या 8 और उच्चतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य है। मनोवृत्ति के स्तर की कुल संख्या में निम्नतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य, निम्न मनोवृत्ति की संख्या 31, औसत मनोवृत्ति की संख्या 66, उच्च मनोवृत्ति की संख्या 29 और उच्चतम मनोवृत्ति की संख्या 2 है। मनोवृत्ति के स्तर के प्रतिशत में निम्नतम मनोवृत्ति की प्रतिशत शून्य, निम्न मनोवृत्ति की प्रतिशत 24, औसत मनोवृत्ति की प्रतिशत 51, उच्च मनोवृत्ति की प्रतिशत 23 और उच्चतम मनोवृत्ति की प्रतिशत 2 है। सबसे अधिक, औसत मनोवृत्ति की संख्या और प्रतिशत क्रमशः 66 और 51 है, तथा सबसे कम, उच्चतम मनोवृत्ति की संख्या और प्रतिशत क्रमशः 2 और 2 है।

आकृति 2

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति के स्तर, कुल संख्या एवं प्रतिशत का विवरण

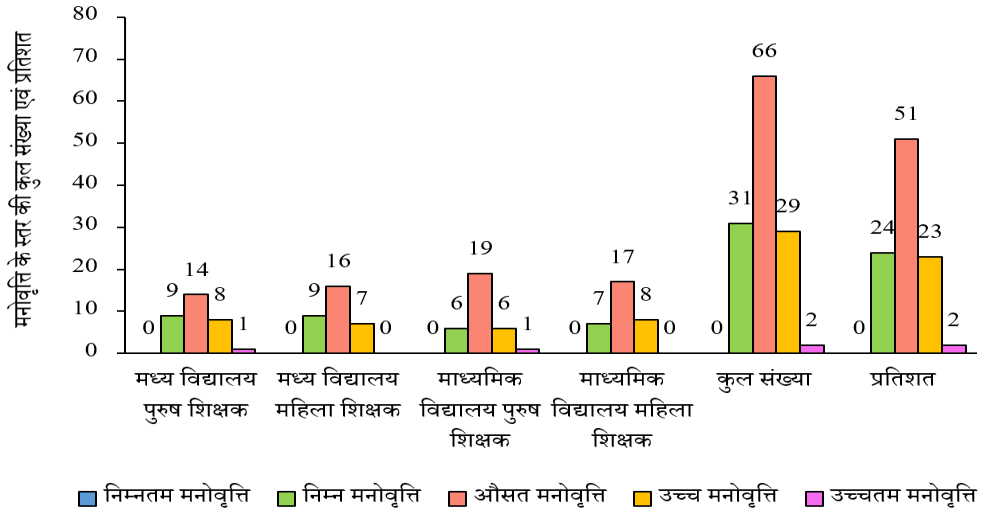

नोट - आकृति 2 में, मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक समूह में निम्नतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य, निम्न मनोवृत्ति की संख्या 9, औसत मनोवृत्ति की संख्या 14, उच्च मनोवृत्ति की संख्या 8 और उच्चतम मनोवृत्ति की संख्या 1 है। मध्य विद्यालय महिला शिक्षक समूह में निम्नतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य, निम्न मनोवृत्ति की संख्या 9, औसत मनोवृत्ति की संख्या 16, उच्च मनोवृत्ति की संख्या 7 और उच्चतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य है। माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक समूह में निम्नतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य, निम्न मनोवृत्ति की संख्या 6, औसत मनोवृत्ति की संख्या 19, उच्च मनोवृत्ति की संख्या 6 और उच्चतम मनोवृत्ति की संख्या 1 है। माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक समूह में निम्नतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य, निम्न मनोवृत्ति की संख्या 7, औसत मनोवृत्ति की संख्या 17, उच्च मनोवृत्ति की संख्या 8 और उच्चतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य है। मनोवृत्ति के स्तर की कुल संख्या में निम्नतम मनोवृत्ति की संख्या शून्य, निम्न मनोवृत्ति की संख्या 31, औसत मनोवृत्ति की संख्या 66, उच्च मनोवृत्ति की संख्या 29 और उच्चतम मनोवृत्ति की संख्या 2 है। मनोवृत्ति के स्तर के प्रतिशत में निम्नतम मनोवृत्ति की प्रतिशत शून्य, निम्न मनोवृत्ति की प्रतिशत 24, औसत मनोवृत्ति की प्रतिशत 51, उच्च मनोवृत्ति की प्रतिशत 23 और उच्चतम मनोवृत्ति की प्रतिशत 2 है।

अनुमानात्मक सांख्यिकी के परिणाम एवं व्याख्या

अनुमानात्मक सांख्यिकी, सांख्यिकी की एक शाखा है जिसमें प्रतिदर्श से एकत्र किए गए प्रदत्त के आधार पर जनसंख्या के बारे में अनुमान लगाया जाता है और एक तार्किक निष्कर्ष निकाला जाता है। यह हमारे पास मौजूद प्रदत्त और व्यापक अंतर्दृष्टि या परिकल्पनाओं के बीच एक पुल का काम करता है जिसके द्वारा हम एक बड़े समूह या जनसंख्या के बारे में कुछ जान पाते है (चैटफील्ड, 1983)।

प्राप्त प्रदत्तों का प्रसामान्य वक्र परीक्षण

प्रदत्तों का प्रसामान्य वितरण का परीक्षण करना आवश्यक है क्योंकि कई सांख्यिकीय विधियाँ, जैसे- प्रोडक्ट मोमेंट सहसम्बन्ध, टी-टेस्ट, एनोवा एवं पैरामीट्रिक सांख्यिकी इत्यादि की मान्यताएँ है की प्रदत्त प्रसामान्य वितरण का अनुसरण करता है। प्रसामान्य वितरण प्रदत्त विश्वसनीय परिणाम, यथार्थ पी-मान और वैध विश्वास अंतराल सुनिश्चित करता है। यह प्रदत्तों के तथ्यों को समझने, आउटलेयर की पहचान करने और ठोस निष्कर्ष निकालने में भी मदद करता है। यदि प्रदत्त प्रसामान्य वितरण से विचलित होता है, तो वैकल्पिक गैर-पैरामीट्रिक सांख्यिकी विधियों की आवश्यकता होती है। अतः प्रदत्तों के प्रसामान्य वितरण के परीक्षण द्वारा उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों का चयन, प्रदत्त विश्लेषण के निष्कर्षों की वैधता, विश्वसनीयता और सामान्यीकरण सुनिश्चित होती है (क्रेसवेल, 2009)।

तालिका 8

वैषम्य एवं ककुदता एवं द्वारा प्रदत्तों का प्रसामान्य संभावना वक्र परीक्षण

प्रतिदर्श समूह (Sample Group)	वैषम्य (Skewness)	मानक त्रुटि (Standard Error)	ककुदता (Kurtosis)	मानक त्रुटि (Standard Error)
मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक	.041	.414	-.671	.809
मध्य विद्यालय महिला शिक्षक	.029	.414	-.835	.809
माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक	-.177	.414	.300	.809
माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक	-.181	.414	-.765	.809

तालिका 9

कोलमोगोरोव-स्मिरनोवा एवं शापिरो-विल्क द्वारा प्रदत्तों का प्रसामान्य संभावना वक्र परीक्षण

प्रतिदर्श समूह (Sample Group)	कोलमोगोरोव-स्मिरनोवा (Kolmogorov-Smirnov[a])			शापिरो-विल्क (Shapiro-Wilk)		
	सांख्यिकी (Statistic)	स्वतंत्रता की मात्रा (df)	सार्थकता (Sig.)	सांख्यिकी (Statistic)	स्वतंत्रता की मात्रा (df)	सार्थकता (Sig.)
मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक	.092	32	.200*	.971	32	.538
मध्य विद्यालय महिला शिक्षक	.098	32	.200*	.963	32	.324

माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक	.151	32	.063	.962	32	.321
माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक	.111	32	.200*	.964	32	.359

नोट- *. यह वास्तविक महत्व की निचली सीमा है। a. लिलीफोर्स सार्थक सुधार

एसपीएसएस साफ्टवेयर (संस्करण 26) के द्वारा जब प्रदत्त का प्रसामान्य संभावना वक्र परीक्षण किया जाता है तो वैषम्य (Skewness) के मूल्य को उसके मानक त्रुटि (Standard Error) के मूल्य से भाग देने पर जेड-मूल्य (Z-Value) या मानक अंक (Standard Score) -1.96 से + 1.96 के बीच होने पर प्रदत्त, प्रसामान्य वितरण समझी जाती है। ठीक इसी प्रकार ककुदता (Kurtosis) के मूल्य को उसके मानक त्रुटि (Standard Error) के मूल्य से भाग देने पर जेड-मूल्य (Z-Value) या मानक अंक (Standard Score) -1.96 से + 1.96 के बीच होने पर प्रदत्त, प्रसामान्य वितरण समझी जाती है। तालिका 8 देखने से स्पष्ट होता है की वैषम्य और ककुदता का जेड-मूल्य (Z-Value) या मानक अंक (Standard Score) -1.96 से + 1.96 के बीच है। अतः कहा जा सकता है की प्रदत्त प्रसामान्य रूप से वितरित है। कोलमोगोरोव-स्मिरनोवा (Kolmogorov-Smirnova) एवं शापिरो-विल्क (Shapiro-Wilk) परीक्षण की सार्थकता मान 0.05 से अधिक आने पर प्रदत्त प्रसामान्य माने जाते है। तालिका 9 देखने से स्पष्ट होता है कि कोलमोगोरोव-स्मिरनोवा (Kolmogorov-Smirnova) एवं शापिरो-विल्क (Shapiro-Wilk) परीक्षण की सभी सार्थकता मान 0.05 से अधिक है। अतः कहा जा सकता है की प्रदत्त प्रसामान्य रूप से वितरित है (हिंटन एट अल., 2014)।

परिकल्पना परीक्षण

उद्देश्य – 1. मध्य विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा,2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन करना।

H_{01} मध्य विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 10

H_{01} टी-परीक्षण का विवरण

मध्य विद्यालय के पुरुष एवं महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का लिंग अनुसार माध्य, मानक विचलन, प्रतिदर्श की संख्या, एवं टी- परीक्षण

लिंग	माध्य मान	मानक विचलन	प्रतिदर्श की संख्या	माध्य अंतर	मानक अंतर त्रुटि	स्वतंत्रता की मात्रा	टी-परीक्षण मान	सार्थकता स्तर
मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक	60.69	20.75	32	1.38	5.06	62	0.27	p>.05
मध्य विद्यालय महिला शिक्षक	59.31	19.76	32					

व्याख्या - तालिका 10 से यह स्पष्ट है कि टी-परीक्षण 0.27 है, जिसकी स्वतंत्रता की मात्रा 62 के साथ 0.05 स्तर पर असार्थक है। यहां मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक और मध्य विद्यालय महिला शिक्षक के बीच एनसीएफएफएस, 2022 के प्रति मनोवृत्ति के माध्य मान (1.38) में बहुत कम अंतर है। इस प्रकार अध्ययन के लिए बनाई गई पहली शून्य परिकल्पना मध्य विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर नहीं है, अस्वीकृत नहीं की जाती है और वैकल्पिक परिकल्पना मध्य विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर है, अस्वीकृत की जाती है। अतः कहा जा सकता है की मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक और मध्य विद्यालय महिला शिक्षक दोनों ही राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशन स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति सजक और जागरूक है।

उद्देश्य – 2. माध्यमिक विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन करना।

H_{02} माध्यमिक विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा,2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 11

H_{02} टी-परीक्षण का विवरण

माध्यमिक विद्यालय के पुरुष एवं महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का लिंग अनुसार माध्य, मानक विचलन, प्रतिदर्श की संख्या, एवं टी- परीक्षण

लिंग	माध्य मान	मानक विचलन	प्रतिदर्श की संख्या	माध्य अंतर	मानक अंतर त्रुटि	स्वतंत्रता की मात्रा	टी-परीक्षण मान	सार्थकता स्तर
माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक	64.38	17.37	32	2.47	4.49	62	0.58	p>.05
माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक	61.91	16.91	32					

व्याख्या - तालिका 11 से यह स्पष्ट है कि टी-परीक्षण 0.58 है, जिसकी स्वतंत्रता की मात्रा 62 के साथ 0.05 स्तर पर असार्थक है। यहां माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक और माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक के बीच एनसीएफएफएस, 2022 के प्रति मनोवृत्ति के माध्य मान (2.47) में बहुत कम अंतर है। इस प्रकार अध्ययन के लिए बनाई गई दूसरी शून्य परिकल्पना माध्यमिक विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा,2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर नहीं है, अस्वीकृत नहीं की जाती है और वैकल्पिक परिकल्पना माध्यमिक विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा,2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर है, अस्वीकृत की जाती है। अतः कहा जा सकता है की माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक और माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक दोनों ही राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशन स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति पारस्परिक रूप से कार्य कर रहे हैं।

उद्देश्य – 3. मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा,2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन करना।

H_{03} मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 12

H_{03} टी-परीक्षण का विवरण

मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का विद्यालय अनुसार माध्य, मानक विचलन, प्रतिदर्श की संख्या, एवं टी-परीक्षण

विद्यालय	माध्य मान	मानक विचलन	प्रतिदर्श की संख्या	माध्य अंतर	मानक अंतर त्रुटि	स्वतंत्रता की मात्रा	टी-परीक्षण मान	सार्थकता स्तर
मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक	60.69	20.75	32	3.69	4.78	62	0.77	p>.05
माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक	64.38	17.38	32					

व्याख्या - तालिका 12 से यह स्पष्ट है कि टी-परीक्षण 0.77 है, जिसकी स्वतंत्रता की मात्रा 62 के साथ 0.05 स्तर पर असार्थक है। यहां मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक और माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक के बीच एनसीएफएफएस, 2022 के प्रति मनोवृत्ति के माध्य मान (3.69) में कुछ अंक का अंतर है। इस प्रकार अध्ययन के लिए बनाई गई तीसरी शून्य परिकल्पना मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर नहीं है, अस्वीकृत नहीं की जाती है और वैकल्पिक परिकल्पना मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा,2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर है, अस्वीकृत की जाती है। अतः कहा जा सकता है की मध्य विद्यालय पुरुष शिक्षक और माध्यमिक विद्यालय पुरुष शिक्षक

दोनों ही राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशन स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति ज्ञान रखते है तथा इसे लेकर अपने विद्यालय शिक्षकों से चर्चा करते होंगे।

उद्देश्य – 4. मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन करना।

H_{04} मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 13

H_{04} टी-परीक्षण का विवरण

मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का विद्यालय अनुसार माध्य, मानक विचलन, प्रतिदर्श की संख्या, एवं टी- परीक्षण

विद्यालय	माध्य मान	मानक विचलन	प्रतिदर्श की संख्या	माध्य अंतर	मानक अंतर त्रुटि	स्वतंत्रता की मात्रा	टी-परीक्षण मान	सार्थकता स्तर
मध्य विद्यालय महिला शिक्षक	59.31	19.76	32	2.60	4.60	62	0.56	p>.05
माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक	61.91	16.91	32					

व्याख्या - तालिका 13 से यह स्पष्ट है कि टी-परीक्षण 0.56 है, जिसकी स्वतंत्रता की मात्रा 62 के साथ 0.05 स्तर पर असार्थक है। यहां मध्य विद्यालय महिला शिक्षक और माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक के बीच एनसीएफएफएस, 2022 के प्रति मनोवृत्ति के माध्य मान (2.60) में कुछ अंक का अंतर है। इस प्रकार अध्ययन के लिए बनाई गई चौथी शून्य परिकल्पना मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर नहीं है, अस्वीकृत नहीं की जाती है और वैकल्पिक परिकल्पना मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का सार्थक अन्तर है, अस्वीकृत की जाती है। अतः कहा जा सकता है की मध्य विद्यालय महिला शिक्षक और माध्यमिक विद्यालय महिला शिक्षक दोनों ही राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशन स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति उत्सुकता एवं नवीनता से बेहतर कार्य कर रहे होंगे।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशन स्टेज को अपनाने के प्रति मध्य और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के मनोवृत्ति का अध्ययन करने से शिक्षकों की तैयारी, दृष्टिकोण और चुनौतियों के बारे में बहुमूल्य जानकारी मिलती है। शिक्षकों के मनोवृत्ति, पाठ्यक्रम कार्यान्वयन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि उनकी स्वीकृति और समर्पण सीधे शैक्षिक नवाचारों का वितरण और प्रभावशीलता को प्रभावित करते हैं। आँकड़े शिक्षकों के बीच एनसीएफएफएस, 2022 के प्रति सकारात्मक और महत्वपूर्ण दृष्टिकोण के मिश्रण को दर्शाते हैं। जबकि कई शिक्षक समग्र और छात्र-केंद्रित सीखने पर एनसीएफएफएस, 2022 की प्रबल सराहना करते हैं, चूंकि अध्ययन में मध्य विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। माध्यमिक विद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय के महिला शिक्षकों के बीच राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 फाउंडेशनल स्टेज के क्रियान्वयन के प्रति मनोवृत्ति का कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया क्योंकि वे पर्याप्त प्रशिक्षण, संसाधनों और मौजूदा शिक्षण प्रथाओं की निरंतरता के बारे में चिंता व्यक्त करते रहते हैं। शिक्षक आधारभूत रूपरेखा को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास, स्पष्ट मानकों और पर्याप्त बुनियादी ढाँचे के समर्थन की आवश्यकता पर जोर देते हैं। अध्ययन प्रभावी विधायी उपायों, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और हितधारकों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से शिक्षकों की चिंताओं को दूर करने के महत्व पर जोर देता है। एनसीएफएफएस, 2022, नीति निर्माता के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने और कार्यान्वयन चुनौतियों पर नियंत्रण पाने में

सहायता कर सकता हैं। ये निष्कर्ष पाठ्यक्रम कार्यान्वयन की गतिशीलता को समझने में हमारी सहायता करते हैं तथा भारत में शिक्षा की गुणवत्ता और समावेशिता को बढ़ाने के लिए सूचित निर्णय लेने हेतु एक मंच प्रदान करते हैं।

शैक्षिक निहितार्थ

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2022 आधारभूत चरण को लागू करने और मध्य और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के मनोवृत्ति का अध्ययन करने के सार्थक शैक्षिक निहितार्थ हैं। शिक्षकों के मनोवृत्ति सभी शैक्षिक स्तरों पर रूपरेखा के सफल कार्यान्वयन और एकीकरण को बहुत प्रभावित करते हैं। जब हम विभिन्न मनोवृत्तियों को बेहतर ढंग से समझ लेते हैं, तो हम शैक्षिक नीति, शिक्षक तैयारी और संसाधन वितरण को बेहतर ढंग से निर्देशित कर सकते हैं। मध्य और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को एनसीएफएफएस, 2022 के मूलभूत सिद्धांतों से अच्छी तरह परिचित होना चाहिए, जो अध्ययन की पहली प्राथमिकता है। इस अध्ययन द्वारा शिक्षकों को आधारभूत चरण के दौरान अपने पाठों में खेल-आधारित, पूछताछ-संचालित और अनुभवात्मक दृष्टिकोणों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह संरेखण सुनिश्चित करता है कि विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव अच्छी तरह से समन्वित हों, जो उन्हें मौलिक पढ़ने और संख्यात्मकता जैसे कौशल में स्थिरता बनाए रखने में मदद करता है। यह दूसरे, शोध शिक्षकों को उनकी किसी भी समस्या को दूर करने के लिए संस्थागत समर्थन की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। अध्ययन के निष्कर्ष ऐसे उपकरणों, संसाधनों और रणनीतियों के विकास की ओर ले जा सकते हैं जो शिक्षकों को मौलिक कौशल को प्रभावी ढंग से विकसित करने में सहायता करेंगे।

भविष्य के अनुसंधान के लिए संस्तुति

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा, 2022 के आधारभूत चरण को लागू करने के प्रति शिक्षकों के मनोवृत्तियों पर भविष्य के अध्ययन, संभावित रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते है।

1. **क्षेत्रों का तुलनात्मक अध्ययन -** स्थान-विशिष्ट मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने के लिए कार्यान्वयन के दौरान शिक्षकों के मनोवृत्तियों और बाधाओं में क्षेत्रीय अंतर की पहचान करने के लिए शोध का संचालन किया जा सकता है।
2. **व्यावसायिक विकास पर प्रभाव -** यह परीक्षण करने की आवश्यकता है की प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एनसीएफएफएस, 2022 शिक्षकों की मनोवृत्ति, नवाचार और सृजनात्मकता को कैसे प्रभावित कर सकती है।
3. **अनुदैर्ध्य अध्ययन -** एनसीएफएफएस, 2022 के साथ अधिक अनुभव प्राप्त करने के बाद समय के साथ प्रशिक्षकों के विचारों में होने वाले परिवर्तनों की निगरानी की जा सकती है।
4. **समावेशी शिक्षा -** एनसीएफएफएस, 2022 समावेशी शिक्षा के स्वीकृति और प्रभावशीलता के लिए अधिक गहन अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है।

निष्कर्ष का परिसीमन

इस अनुसंधान की कुछ सीमाएँ हैं, जिनको भविष्य के अध्ययन के लिए पहचानना आवश्यक है। यह अध्ययन लखनऊ जनपद के मध्य एवं माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों पर किया गया था। प्रस्तुत अध्ययन का निष्कर्ष सभी स्थानों की स्थितियों पर लागू नहीं हो सकता है। इस प्रकार विभिन्न जनपदों में स्थित विद्यालयों के शिक्षकों पर बड़े प्रतिदर्श के रूप में आगामी अनुसंधान कार्य किए जा सकते हैं। प्रस्तुत अनुसंधान के आधार पर विभिन्न जनपदों में स्थित अनेक प्रकार के विद्यालयों को समाहित करके अलग-अलग निष्कर्ष प्राप्त किए जा सकते हैं।

संदर्भ सूची

बत्रा, पी. (2005). वॉइस एंड एजेंसी ऑफ टीचर्स: मिसिंग लिंक इन नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क 2005. *इकोनामिक एंड पॉलीटिकल वीकली, 40*(40), 4347-4356.

भारत सरकार. (2020). *राष्ट्रीय शिक्षा नीति.* कार्यान्वयन दिशानिर्देश. शिक्षा मंत्रालय. नई दिल्ली.

भारत सरकार. (2022). *बुनियादी स्तर के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा.* कार्यान्वयन दिशानिर्देश. शिक्षा मंत्रालय. नई दिल्ली.

भारत सरकार. (2023). *विद्यालय शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा.* कार्यान्वयन दिशानिर्देश. शिक्षा मंत्रालय. नई दिल्ली.

भारद्वाज, एम., रंजन, ए., और शर्मा, जे. (2024). करिकुलम एंड एईपी 2020: प्रोस्पेक्टिव एंड इंटरकनेक्शन. *इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 70*(2), 237-255. https://doi.org/10.1177/00195561241230244

चैटफील्ड, सी. (1983). *स्टैटिसटिक्स फॉर टेक्नोलॉजी: ए कोर्स इन अप्लाइड स्टैटिसटिक्स* (थर्ड एडिशन). रूटलेज. टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप. https://doi.org/10.1201/9780203738467

कोहेन, एल., मैनियन, एल., एंड मॉरिसन, के. (2018). *रिसर्च मेथड्स इन एजुकेशन* (एट एडिशन). रूटलेज. टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप. https://doi.org/10.4324/9781315456539

क्रेसवेल, जे. डब्ल्यू. (2009). मैपिंग द फील्ड ऑफ मिक्स्ड मेथड्स रिसर्च. *जर्नल ऑफ मिक्स्ड मेथड्स रिसर्च, 3*(2), 95–108. https://doi.org/10.1177/1558689808330883

क्रेसवेल, जे. डब्ल्यू. (2015). *एजुकेशनल रिसर्च, प्लानिंग, कंडक्टिंग एंड इवेलुएटिंग क्वानटिटेटिव एंड क्वालिटेटिव रिसर्च* (फिफ्थ एडिशन). पीयरसन पब्लिकेशन.

गोस्वामी, वाई. (2023). ए स्टडी आन अवेयरनेस ऑफ टीचर स्टूडेंट एजुकेटर इन राजस्थान नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क. *इंटरनेशनल जनरल ऑफ रिसर्च इन एकेडमिक वर्ल्ड, 2*(11), 50-52.

हिंटन, पी.आर., मैकमुरे, आई., एंड ब्राउनलो, सी. (2014). *एसपीएसएस एक्सप्लेंड* (सेकंड एडिशन). रूटलेज. टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप. https://doi.org/10.4324/9781315797298

होता, एस. (2023). क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क ऑफ स्कूल एजुकेशन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च, 12*(9), 602-607. https://doi.org/10.21275/sr23906164103

करलिंगर, एफ. एन. (1986). *फाउंडेशन ऑफ बिहेवियरल रिसर्च.* होल्ट. राइनहार्ट एंड विंस्टन.

क्रेजी, आर. वी., एंड मॉर्गन, डी. डब्ल्यू. (1970). डिटरमिनिंग सैंपल साइज फॉर रिसर्च एक्टिविटीज. *एजुकेशनल एंड साइकोलॉजिकल मेजरमेंट, 30*(3), 607–610. https://doi.org/10.1177/001316447003000308

कुमार, एस. (2023). नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन 2023: इंप्लीकेशन फोर कैरियर गाइडेंस प्रैक्टिस. *इंडियन जर्नल ऑफ केयर एंड लाइवलीहुड प्लानिंग, 12*(1), 58-78.

महापात्रा, एस. के., एंड एंडरसन, जे. (2022). लैंग्वेज फॉर लर्निंग: ए फ्रेमवर्क फॉर इंप्लीमेंटिंग इंडिया मल्टीलिंगुअल लैंग्वेज इन एजुकेशन पॉलिसी. *करंट इश्यू इन लैंग्वेज प्लानिंग, 24*(1), 102–122. https://doi.org/10.1080/14664208.2022.2037292

मैमीडाला, जे. के. (2022). नेशनल हायर एजुकेशन क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क - ए पथ ब्रेकिंग रिफॉर्म इन इंडिया हायर एजुकेशन. *आईईटीई टेक्निकल रिव्यू, 39*(2), 231–232. https://doi.org/10.1080/02564602.2022.2071403

एनसीईआरटी. (2000). *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा: 2000.* नई दिल्ली.

एनसीईआरटी. (2005). *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा: 2005.* नई दिल्ली.

राज, एस. बी. (2024). पाथवेज टू इंक्लूसिव हायर एजुकेशन: लर्निंग फ्रॉम इंडियन नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020. *नॉर्डिक जर्नल ऑफ स्टडीज इन एजुकेशनल पॉलिसी*, 1–11. https://doi.org/10.1080/20020317.2024.2382376

सद्गोपाल, ए. (2005). ऑन द पेडागोजी ऑफ राइटिंग ए नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क सम रिफ्लेक्शन फ्रॉम एन इनसाइडर. *सोशल साइंटिस्ट, 33*(9/10), 23–36.

सरीन, एस., एंड मंडल, एस. (2024). अंडरस्टैंडिंग ब्लैडेट लर्निंग एट द इंटरसेक्शन ऑफ पॉलिसी डिस्कोर्स एंड एकेडमिक डिस्कशन. *जर्नल ऑफ फर्दर एंड हायर एजुकेशन,* 1–16. https://doi.org/10.1080/0309877X.2024.2433569

शुक्ला, टी., प्राची, मनीषा, एवं नेगी, आर. (2024). नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क 2023: इंटीग्रेशन एंड इंपैक्ट ऑफ फिजिकल एजुकेशन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एक्सरसाइज एंड फिजिकल एजुकेशन, 6*(2), 36–38. https://doi.org/10.33545/26647249.2024.v6.i2a.115

सीतालक्ष्मी, एस., और श्यामला, के. (2022). एनईपी 2020 एंड स्कूली एजुकेशन – थाउट द आईज ऑफ तमिलनाडु. *जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजमेंट सिस्टम्स, 25*(5), 1279–1291. https://doi.org/10.1080/09720510.2022.2079236